
Mohinyai Vasuproktam Purushottama Stotram

मोहिन्यै वसुप्रोक्तं पुरुषोत्तमस्तोत्रम् ३

Document Information



Text title : Mohinyai Vasuproktam Purushottama Stotram

File name : mohinyaivasuproktaMpurushottamastotram03.itx

Category : vishhnu, vishnu, bRRihannAradIyapurANa, stotra

Location : doc_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : bRRihannAradIyapurANa | uttarabhAga | adhyAya 55/44-48||

Latest update : October 22, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

October 22, 2024

sanskritdocuments.org

मोहिन्यै वसुप्रोक्तं पुरुषोत्तमस्तोत्रम् ३



वसुरुवाच ।
एवमभ्यर्च्य हलिनं ततः कृष्णं विचक्षणः ।
द्वादशाक्षरमन्त्रेण पूजयेत्सुसमाहितः ॥ ४० ॥
द्विषड्वर्णकमन्त्रेण भक्त्या ये पुरुषोत्तमम् ।
पूजयन्ति सदा धीरास्ते मोक्षं प्राप्नुवन्ति वै ॥ ४१ ॥
न तां गतिं सुरा यान्ति योगिनो नैव सोमपाः ।
यां गतिं यान्ति विधिजे द्वादशाक्षरतत्पराः ॥ ४२ ॥
तस्मात्तेनैव मन्त्रेण भक्त्या कृष्णं जगद्गुरुम् ।
सम्पूज्य गन्धपुष्पाद्यैः प्रणिपत्य प्रसादयेत् ॥ ४३ ॥
जय कृष्ण जगन्नाथ जय सर्वाघनाशन ।
जय चाणूरकेशिघ्न जय कंसनिषूदन ॥ ४४ ॥
जय पद्मपलाशाक्ष जय चक्रगदाधर ।
जय नीलाम्बुदश्याम जय सर्वसुखप्रद ॥ ४५ ॥
जय देव जगत्पूज्य जय संसारनाशन ।
जय लोकपते नाथ जय वाञ्छाफलप्रद ॥ ४६ ॥
संसारसागरे घोरे निःसारे दुःखफेनिले ।
क्रोधग्राहाकुले रौद्रे विषयोदकसम्लवे ॥ ४७ ॥
नानारोगोर्मिकलिले मोहावर्तसुदुस्तरे ।
निमग्नोऽहं सुरश्रेष्ठ त्राहि मां पुरुषोत्तम ॥ ४८ ॥
इति नारदपुराणे उत्तरभागे पञ्चपञ्चाशत्तमाध्यायान्तर्गतं
वसुप्रोक्तं पुरुषोत्तमस्तोत्रं समाप्तम् ।
बृहन्नारदीयपुराण । उत्तरभाग । अध्याय ५५/४४-४८ ॥

bRRihannAradIyapurANa . uttarabhAga . adhyAya 55/44-48..

Proofread by PSA Easwaran

——
Mohinyai Vasuproktam Purushottama Stotram

pdf was typeset on October 22, 2024

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

